आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–06 जून 2025 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरा के दुसरका दिन्ने आजु महानगर के सूरजकुण्ड कॉलोनी में करीब चारि करोड़ बावन लाख रूपिया के लागति से बनल सहर क दुसरका कल्याण मंडपम क लोकारपण कइलें। निम्न अउर मध्यम आय वर्ग के लोगिन के मांगलिक कार्यक्रम के सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करावे बदे कल्याण मंडपम उचित दर पर उपलब्ध करवले क प्राविधान हवे।

येह मौका पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री कहलें कि गोरखपुर नगर निगम कल्याण मंडपम क पहल करे वाला प्रदेस क पहिला नगर निगम हउवे। मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्मार्ट सिटी विजन क जिकिरि करत कहलें कि हमहन के एहके सेफ सिटियो में बदले के हउवे, जहवां बेटी, ब्यौपारी अउर लइकन के सथहीं सज्जो लोगि सुरक्षित महसूस कइ सकें। उहां के पर्यावरण संरक्षण अउर साफ–सफाई बदे मुहल्ला समिति बनवलहू क सुझाव दिहलीं।

मुख्यमंत्री घोसणा कइलें कि नगर निगम की ओरि से प्रस्तावित पचहत्तर बेड क वर्किंग वुमेन हॉस्टल लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नांव पर बनीं। उहां के लोगिन से योग दिवस के भव्यता के साथे मनवले क अपीलि कइलीं।

मुख्यमंत्री नगर निगम के कई गो विभागन के उत्कृस्ट कार करे वाले दस करमचारियन के प्रसस्ति पत्र अउर उपहार दे के सम्मानितो कइलें। येह मौका पर सदर सांसद रवि किशन शुक्ल अउर महापौरा डॉक्टर मंगलेश श्रीवास्तव के सथहीं कई गो अउरियो जनप्रतिनिधि मौजूद रहलें।

एहसे पहिले मुख्यमंत्री आजु भिन्नहीं जनता दरसन कार्यक्रम में सैकड़ों लोगिन क समेस्या सुनलें अउर ओकरे निपटारा क आदेस दिहलें। दुपहरिया बाद उहां के भटहट ब्लॉक के पिपरी में बनल आयुष विश्वविद्यालय क निरक्षणो कइलीं। येह विश्वविद्यालय क उद्घाटन आवे वाले तीस जून के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से करवले क प्रस्ताव बाटे।

****

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू आजु नई दिल्ली में **उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल** क सुरूआति कइलें। श्री रिजिजू कहलें कि ई पोटल वक्फ सम्पत्ति प्रबंधन अउर प्रसासन में पारदर्सिता ले आई।

आज वक्फ अमेंडमेंट एक्ट का पहला सबसे बड़ा इम्प्लीमेंटेशन का प्रोसेस शुरू हो गया है। यह उम्मीद पोर्टल ये डिजिटल तरीके से सारे वक्फ प्रॉपर्टीज का मैनेजमेंट इस तरीके से करता है जिसके चलते कोई दुरूपयोग न कर सकें। कोई उसके छुपा न सकें, न इसको किसी तरीके से गुमराह कर सकें। पूरे ट्रांसपेरेन्ट तरीके से ये काम करें।

****

देस में पछिला दसक के दौरान सेवा, सुसासन अउर गरीब कल्याण नीतियन के जरिये उल्लेखनीय बदलाव भइल हवे। आकाशवाणी समाचार पछिला इग्यारह बरिस में प्रमुख क्षेत्रन में सरकार के कोसिस अउर उपलब्धी पर खास श्रृंखला प्रसारित कइ रहल हवे। येही कड़ी में आजु हम देस के सभ्यतागत गौरव के स्थापित करे वाले सांस्कृतिक धरोहर, संरक्षण के कोसिस क जिकिरि कइ रहल हईं।

भारत की सांस्कृतिक यात्रा का पिछले एक दशक में चहमुखी विस्तार हुआ है। हम्पी के कालातीत मंदिरों से लेकर शास्त्रीय संगीत और नृत्य की जीवन परंपराओं तक सरकार ने मूर्त और अमूर्त दोनों विरासतों को नई ऊर्जा दी है। अयोध्या में राम मंदिर आस्था और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में स्थापित है, वहीं वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर परियोजना के माध्यम से प्रतिष्ठित काशी विश्वनाथ मंदिर को गंगा नदी से सीधे जोड़कर तीर्थयात्रियों के अनुभव को सुखद बनाया है। उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना को विश्व स्तरीय सुविधाएं और आध्यात्मिक माहौल प्रदान करने के लिए शुरू किया गया। दूसरी ओर हिमालय में केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के पुनर्विकास के माध्यम से इन पवित्र मंदिरों में जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए बुनियादी ढांचे और सुरक्षा को मजबूत किया गया है। इन प्रयासों को आगे बढ़ते हुए हृदय योजना के जरिए 12 विरासत शहरों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत विदेशों से 350 से अधिक मूर्तियां और कलाकृतियों को सफलतापूर्वक वापस लाया है। अक्षित वैद्यान आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के नीट–पीजी दुइ हजार पचीस क इंतिहान तीनि अगस्त के एक्के पाली में करवले क अनुमति दे दिहले हउवे। एहसे पहिले ई इंतिहान पनरह जून के होखे वाला रहे, बाकिर बोर्ड इंतिहान आयोजित करे बदे दुइ महिन्ना से जियादे के समय क मांगि कइले रहे।

****

भारतीय जनता पारटी क सांसद रविशंकर प्रसाद के अगुआई में सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल जर्मनी पहुंचि गइल हउवे। जर्मनी में भारत क राजदूत अजित गुप्ते प्रतिनिधिमण्डल क स्वागत कइलें। श्री प्रसाद ब्रुसेल्स में बेल्जियम चैम्बर्स रिप्रेजेंटेटिव क सदस्य पीटर डी, रोवर से भेंटि कइलें।

****

पूरबी उत्तर प्रदेस में गोरखपुर के सथहीं आसपास के कई गो अउरियो जिलन में आजु दिन में तेज घाम के साथे कई बेरि बादर क आवाजाही रहे, हलांकि मौसम विज्ञान विभाग दस जून ले पूरबी अउर पच्छिमी जिलन में मौसम सुक्खल रहले क अनेसा जतवले हवे। विभाग के मोताबिक पूरबी उत्तर प्रदेस में इग्यारह जून आ ओकरे बाद बरखा क आगम बाटे।

****